7. जायसी के प्रकृति-चित्रण की विशेषताएँ लिखिए।

8. पृथ्वीराज रासो के काव्य शिल्प पर टिप्पणी लिखिए।

9. भूषण की काव्यगत विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. ''मीरा के काव्य में उनके जीवनानुभवों की सच्चाई और मार्मिकता है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

11. ''पद्माकर के काव्य में रीतिकालीन कविता की सभी विशेषताएँ उपलब्ध होती हैं।'' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

12. ''कबीरदास समाज-सुधारक संत कवि थे।'' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में कबीर के समाज-सुधार पर प्रकाश डालिए।

13. तुलसीदास की भक्तिभावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

MAHD–01

June – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper : MAHD-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) रीतिमुक्त बद्ध काव्यधारा से क्या तात्पर्य है ?

   (ii) विद्यापति को कौन-कौनसी उपाधियाँ मिलीं ?

   (iii) बिहारी रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(iv) तुलसीदास की किन्हीं **तीन** रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) 'अति सूधो सनेह को मारग है' पंक्ति किस कवि की है ?

(vi) 'नैन नचाई कह्यो मुसकाई लला फिरि अइयौ खेलन होरी' पंक्ति किस कवि की है ?

(vii) जायसी के पद्मावत की भाषा कौनसी है ?

(viii) मीरा के पिता का नाम बताइये।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि बैरी सम यद्यपि परम सनेही॥
तज्यो पिता प्रहलाद विभीषन बंधु भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो कंत ब्रज बनितन्हि भये मुद मंगलकारी॥
नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहाँ लौ।
अंजन कहा आँखि जेहि फूटै बहुतक कहौं कहाँ लौ॥
तुलसी सो सब भाँति परम हित पूज्य प्रान ते प्यारो।
जैसो होय सनेह रामपद एतो मतो हमारो॥

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

उधो! मन नाहीं दस बीस।
एक हुतो सो गयो स्याम संग, को आराधै तुव ईस?
भई अति शिथिल सबै माधव बिनु, जथा देह बिनु सीस।
स्वासा अटकि रहे आसा लगि, जीवहिं कोटि बरीस॥
तुम तो सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूरदास रसिक की बतियाँ, पुरवौ मन जगदीस॥

4. निम्नलिखित पद्य खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कामु।
मन काँचै नाचै वृथा साँचै राचै रामु॥
मैं समुझयौ निरधार, यह जगु काँचो काँच सौ।
एकै रूप अपार प्रतिबिंबित लखियतु जहाँ॥

5. चंद चकोर की चाह करै, घन आनंद स्वाति पपीहा को धावै।
ज्यों त्रसरैनि के ऐन बसै रवि, मीन पै दीन है सागर आवै।
मोसों तुम्हें सुनौ जान कृपा निधि, नेह निबाहिबो दो छबि पावै।
ज्यों अपनी रुचि राचि कुबेर सुरंकहिं लै निज अंक बसावै॥

6. विद्यापति शृंगारिक या भक्त कवि थे ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।